अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के लोगों के लिये रोजगार

4701. श्री रामचन्द्र वीरप्पा :
श्री [illegible] सुन्दर लाल :

क्या समाज कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या सरकार ने अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के लोगो को रोजगार देने के लिये कार्यवाही करने के लिये राज्य सरकारों को निदेश दिये है; और

(ख) यदि हा, तो इस सम्बन्ध में राज्य सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

समाज कल्याण विभाग में राज्य-मंत्री (श्रीमती फूलरेणु गुह) : (क) और (ख). संविधान के अधीन 'राज्य जन सेवाओ' का राज्य सरकारो पर सीधा उत्तरदायित्व है । इसलिये, सरकार ने राज्य सरकारो को इस बारे में ऐसे कोई निदेश नही दिये है । तो भी, अनुसूचित आदिम जातियो के केन्द्रीय सेवाओ मे प्रतिनिधित्व के बारे मे राज्य सरकारो को सूचित रखा जाता है । उसके अतिरिक्त कल्याण कार्यक्रमों के अधीन राज्य सरकारो को शिक्षा तथा रोजगार परामर्श के लिये प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित करने की सलाह दी गई हे । कई राज्य सरकारो ने इस सलाह को मान लिया है और इस प्रयोजन के लिये योजना चला रही हैं ।

मध्य प्रदेश में समाज कल्याण योजनायें

4702. श्री ग० च० दीक्षित: क्या समाज कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि .

(क) तीसरी पचवर्षीय योजना में केन्द्रीय सरकार ने मध्य प्रदेश सरकार को राज्य द्वारा चलाई जा रही समाज कल्याण योजनाओं के लिये कितनी रकम मंजूर की थी और इस कार्य के लिये राज्य सरकार को वस्तुत: कितनी रकम दी गई थी; और

(ख) 1965–66 और 1966–67 में मध्य प्रदेश की प्रत्येक समाज कल्याण संस्था को कितनी-कितनी वित्तीय सहायता दी गई थी ?

समाज कल्याण विभाग में राज्य-मंत्री (श्रीमती फूलरेणु गुह) : (क) तृतीय पचवर्षीय योजना के दौरान समाज कल्याण योजनाओं के लिये केन्द्रीय सरकार द्वारा मध्य प्रदेश सरकार को 17.95 लाख रुपये की वित्तीय सहायता मजूर की गई थी । वास्तविक खर्च के आधार पर राज्य सरकार को 13.67 लाख रुपये की प्रतिपूर्ति की गई थी ।

(ख) राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक समाज कल्याण सस्था को दी गई वित्तीय सहायता के बारे मे अलग अलग आकडे उपलब्ध नही हैं । तो भी, एक समाज-कल्याण सस्था को इस प्रकार सीधे अनुदान मजूर किया गया ।

संस्था का नाम	राशि (रुपये) 1965-66	1966-67
अधो के लिये मध्य प्रदेश कल्याण सस्था, इन्दौर	3,000	4,125

दिल्ली में वेश्यावृत्ति

4703. श्री जगन्नाथ राव जोशी :
श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री राम सिह अग्रवाल :

क्या समाज कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि .

(क) क्या 1965–66 से दिल्ली में वेश्याओं की संख्या बढ गई है और यदि हा, तो उनकी कुल संख्या कितनी है;

(ख) दिल्ली में वेश्यावृत्ति को रोकने के लिये सरकार ने क्या कार्यवाही की है; और